तापमान
अधिकतम 40 .5 डिग्री
न्यूनतम 23 .0 डिग्री

हरिभूमि
रेवाड़ी भूमि
रोहतक, शनिवार, 24 मई 2025

11 जेपीएस में छात्र अलंकरण समारोह संपन्न, लाभांश हैड ब्वॉय व याशिता बनी हैड गर्ल

12 कॉलेजों में स्नातक के एडमिशन के लिए आवेदन 9 जून तक, 19 जून को आउट होगी पहली मेरिट लिस्ट

पॉलिटेक्निक करें
नौकरी पाएं
सीटें सीमित
ADMISSION OPEN
For Session 2025-26
AIT KANINA
PHARMACY COLLEGE
Approved by : AICTE & PCI, New Delhi
DIPLOMA IN PHARMACY
2 YEARS COURSE
Eligibility :
10+2 Pass
(Medical & Non-Medical)
पता : AIT Pharmacy College गाहड़ा रोड, कनीना
Mob. : 9992696300, 9466464921, 9467543958

खबर संक्षेप

ट्यूबवेल से मोटर स्टार्टर व केबल चोरी

रेवाड़ी। बोड़िया कमालपुर गांव से चोर एक ट्यूबवेल से मोटर स्टार्टर व बिजली की केबल चोरी कर ले गए। पुलिस शिकायत में रामसिंह ने बताया कि उसका नलकूप नैनसुखपुरा गांव की सीमा में है। चोर रात के समय उसके ट्यूबवेल से एक मोटर का स्टार्टर व 15 मीटर बिजली की केबल चोरी कर ले गए। आसपास पूछताछ करने के बाद भी चोरों के बारे में कोई सुराग नहीं लगा। जाटूसाना थाना पुलिस ने उसकी शिकायत पर चोरी का केस दर्ज करने के बाद जांच शुरू कर दी।

पोक्सो एक्ट के तहत एक आरोपी गिरफ्तार

खोरी। थाना खोल पुलिस ने नाबालिग के अपहरण के आरोप में एक युवक को गिरफ्तार किया है। एक गांव निवासी नाबालिग लड़की के घर से लापता होने के बाद पुलिस ने केस दर्ज किया था। इसके बाद लड़की का पता लगाने के प्रयास शुरू किए थे। लड़की बरामद होने के बाद पुलिस ने उसके कोर्ट में बयान दर्ज कराए, जिसके आधार पर उसी के गांव निवासी राहुल के खिलाफ केस दर्ज किया था। पुलिस ने आरोपी राहुल को गिरफ्तार करने के बाद कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत के तहत जेल भेज दिया गया।

दो किसानों के ट्यूबवेल से सामान चोरी

जाटूसाना। ढोकिया गांव के खेतों में चोर दो किसानों के फव्वारा नोजल व बिजली की केबल चोरी कर ले गए। पुलिस शिकायत में प्रदीप कुमार ने बताया कि उसके खेत से चोर फव्वारा नोज व केबल चोरी कर ले गए। उसने आसपास पूछताछ की तो पड़ोसी नवल के खेत से भी नोजव व केबल चोरी की बात सामने आई। चोर उनके नलकूपों से 21 नोजल व करीब 380 फीट केबल चोरी कर ले गए। जाटूसाना पुलिस ने मौका मुआयना करने के बाद चोरी का केस दर्ज कर लिया।

ट्रॉला चालक के खिलाफ दर्ज किया केस

कुंड। थाना खोल पुलिस ने जैसलमेर नेशनल हाइवे पर तेज रफ्तार और गलत लेन में वाहन चलाने के आरोप में ट्रॉला चालक को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार एक ट्रॉला गलत लेन में आ रहा था। इससे हादसे की आशंका बनी हुई थी। ट्रॉला को रुकवाकर चालक का नाम पूछा तो उसने अपना नाम राजस्थान के डोकन निवासी दुलीचंद बताया। उसे गिरफ्तार करने के बाद ट्रॉला जब्त कर लिया गया। आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया है।

वाटर सप्लाई के ट्यूबवेल की केबल चोरी

नाहड़। लूखी गांव में चोर वाटर सप्लाई ट्यूबवेल सहित दो ट्यूबवेल से केबल चोरी कर ले गए। पुलिस शिकायत में ईश्वर सिंह ने बताया कि वह पंचायती ट्यूबवेल पर पानी की सप्लाई का कार्य करता है। जब वह ट्यूबवेल पर गया तो उसे मोटर की केबल गायब मिली। पूछताछ करने पर गांव निवासी सत्यवीर ने बताया कि चोर उसके ट्यूबवेल से भी पंप सेट की केबल चोरी कर ले गए हैं। पुलिस ने दोनों की शिकायत पर केस दर्ज करने के बाद जांच शुरू कर दी।

पुलिस से पहले आईबी कर चुकी 60 विदेशियों को काबू

पुलिस एक्शन से उड़ी भट्टा मालिकों की नींद
पहली बार बांग्लादेशी मिलने पर केस दर्ज

■ किसी भी भट्टा मालिक पर दर्ज नहीं कराया गया था केस

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी व रोहिंग्या को डिपोर्ट करने के लिए पुलिस विभाग की ओर से लगभग तीन माह पहले अभियान शुरू किया गया था। इस अभियान में पुलिस पूरी तरह खाली हाथ रही थी। इंटेलीजेंस ब्यूरो की टीम ने ईंट भट्टों से 60 बांग्लादेशी पकड़कर पुलिस के हवाले किए थे, परंतु किसी भी भट्टा मालिक पर केस दर्ज नहीं कराया गया था। अब पुलिस की ओर से वीरवार को एक भट्टे पर बांग्लादेशी नागरिक मिलने के बाद भट्टा मालिक के खिलाफ भी गलत सूचना देने के आरोप में केस दर्ज कराया गया है। इससे भट्टा मालिकों में हड़कंप मच गया है। केंद्रीय गृह मंत्रालय की ओर से अवैध रूप से रह रहे विदेशी नागरिकों को वापस भेजने के लिए आदेश जारी किए थे। इसके बाद प्रदेश भर में बांग्लादेशी व रोहिंग्या का पता लगाने के लिए एक माह तक पुलिस ने अभियान चलाया था। जिला पुलिस की ओर से डीएसपी डा. रविंद्र कुमार को नोडल अधिकारी बनाया गया था। एक माह के दौरान पुलिस किसी भी बांग्लादेशी या रोहिंग्या की पहचान नहीं कर सकी थी। जो बांग्लादेशी या रोहिंग्या पाए गए थे, उनके पास भारत की नागरिकता वाले आधार कार्ड मिले थे, जिस कारण पुलिस उनके खिलाफ कोई एक्शन नहीं ले सकी थी। आईबी की ओर से जिले के ईंट भट्टों पर काम करने वाले श्रमिकों की जांच का कार्य शुरू किया गया, तो आधा दर्जन के आसपास ईंट भट्टों से 60 बांग्लादेशी नागरिक पकड़कर पुलिस के हवाले किए गए। इसे बांग्लादेशियों की पहचान करने में पुलिस की विफलता माना जा रहा था। जिन भट्टों से बांग्लादेशी पकड़े गए, उनके मालिकों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई थी। अब जिला पुलिस की ओर से विशेष सर्च अभियान शुरू किया गया है, जिसके तहत अवैध रूप से रहने वाले विदेशी नागरिकों का पता लगाने के लिए सभी पुलिस थाना व चौकियों के प्रभारियों को निर्देश दिए गए हैं। इससे पूर्व पुलिस ने भट्टा मालिकों को बांग्लादेशियों और रोहिंग्या के संदर्भ में पुलिस को जानकारी देने के लिए शपथ पत्र मांगे थे, जिनमें भट्टा मालिकों ने अपने भट्टों पर ऐसे नागरिक नहीं होने की बात कही थी। पुलिस के अनुसार श्री दुर्गा ब्रिक्स उद्योग गढ़ी नरसिंहपुर के संचालक आसरा का माजरा निवासी चरण सिंह महलावत व भट्टे के मुनीम खंडोड़ा निवासी लालसिंह ने पुलिस को हलफनामा देकर बताया था कि उनके भट्टे पर श्रमिक काम करते हैं, परंतु उनमें से कोई भी रोहिंग्या या बांग्लादेशी नहीं है। इसके बाद पुलिस ने वीरवार को भट्टे पर दबिश दी, तो वहां 12 बांग्लादेशी पकड़े गए। पुलिस को गलत सूचना देकर गुमराह करने के आरोप में पहली बार भट्टा मालिक के खिलाफ बावल थाने में केस दर्ज किया गया है।

रेवाड़ी। वीरवार देर रात पकड़े गए बांग्लादेशी। फोटो :हरिभूमि

लगातार चलेगा पुलिस का सर्च अभियान

एसपी हमेंद्र कुमार मीणा के अनुसार पुलिस की ओर से रोहिंग्या व बांग्लादेशी नागरिकों की पहचान के लिए शुरू किया गया विशेष सर्च अभियान लगातार जारी रहेगा। इस अभियान के तहत एडंट भट्टा मालिकों से पूर्व में जानकारी ली जा चुकी है। जिन ईंट भट्टा मालिकों ने ऐसे विदेशी नागरिक होने की बात से इनकार किया है, अगर उनके भट्टों पर विदेशी नागरिक मिले तो भट्टा मालिकों के खिलाफ भी केस दर्ज किया जाएगा। पुलिस की इस कार्रवाई के बाद कई भट्टा मालिकों के हड़कंप की स्थिति बन गई है।

अन्य भट्टा मालिक भी आ सकते हैं लपेटे में

जानकार सूत्रों के अनुसार जिले में चल रहे लगभग 100 ईंट भट्टों में से अधिकांश पर लोकल की बजाय बांग्लादेशी श्रमिक लगाए हुए हैं। शुरू में काबू किए गए बांग्लादेशी नागरिकों ने इस बात का खुलासा किया था कि वह दलालों के मार्फत पैसा देकर भारत की सीमा में प्रवेश करते हुए यहां पहुंचे थे। ऐसे में अन्य भट्टों पर अभी भी बांग्लादेशी मौजूद होने की संभावना है। एसपी के आदेश पर ईंट भट्टा मालिकों को निर्देश दिए हुए हैं कि उनके पास कोई बांग्लादेशी श्रमिक हैं, तो वह पुलिस को सूचित करें।

श्री कृष्ण स्कूल के आठ छात्रों का सैनिक स्कूल में चयन

रेवाड़ी। सैनिक स्कूल चयन होने पर खुशी मनाते विद्यार्थी। फोटो :हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

सैनिक स्कूल की ओर से घोषित किए गए परीक्षा परिणाम में श्री कृष्ण सीनियर सैकेंडरी स्कूल हांसाका के आठ विद्यार्थियों ने सफलता प्राप्त करके स्कूल व क्षेत्र का गौरव बढ़ाया है। छात्र अमनराज ने 300 में से 283 अंक लेकर पूरे भारत में 35वीं रैंक हासिल की है। स्कूल संचालक सुरेश कुमार यादव ने बताया कि मानसी, अमनराज, यश, हर्षित, तन्वी, कण, वंश व कुनाल को सम्मानित किया। इस मौके पर सभी शिक्षक मौजूद थे।

एटीएम कार्ड बदलकर खाते से निकाले एक लाख रुपये

धारूहेड़ा। एटीएम पर पैसा निकलवाने के लिए गए एक व्यक्ति का कार्ड बदलकर शातिर बदमाशों ने उसे एक लाख रुपये का चूना लगा दिया। सेक्टर-6 थाना पुलिस ने केस दर्ज करने के बाद जांच शुरू कर दी। पुलिस शिकायत में लुहारों की ढाणी निवासी रोहित ने बताया कि उसने फाइनेंस बैंक से लगभग 8.56 लाख रुपये का लोन लिया था। यह राशि उसके बैंक खाते में जमा है। वह एटीएम बूथ से पैसे निकलवाने के लिए गया था। जब वह एटीएम से पैसे निकाल रहा था, तो दो व्यक्ति अचानक उसके पीछे आकर खड़े हो गए। मशीन से पैसा नहीं निकलने के कारण दोनों ने उसकी मदद के बहाने एटीएम कार्ड बदल लिया। बाद में उसके खाते से 1 लाख रुपये निकाल लिए गए। जब उसके फोन पर मैसेज आया, तो उसने बैंक जाकर पूछताछ की। पुलिस ने उसकी शिकायत पर केस दर्ज करने के बाद सीसीटीवी कैमरों की मदद से आरोपियों का पता लगाने के प्रयास शुरू कर दिए।

पिकअप से टक्कर मारकर किया हत्या का प्रयास

आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज

■ लोगों ने उसे अस्पताल पहुंचाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

बीकानेर के पास पिकअप सवार लोगों ने एक बाइक को टक्कर मारने के बाद चालक पर हमला कर दिया। पुलिस ने पिकअप में सवार लोगों के खिलाफ हत्या के प्रयास का केस दर्ज करते हुए आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास शुरू कर दिए। पुलिस बयान में गंगायचा अहीर निवासी राहुल यादव ने बताया कि वह अपने खेत से बाइक पर घर की ओर जा रहा था। बीकानेर में मंदिर के पास पहुंचने पर एक पिकअप गाड़ी ने उसे मारने की नीयत से टक्कर मार दी। उसने आरोप लगाया कि पिकअप में सवार बीकानेर निवासी मनसाराम, कोकी व एक अन्य ने बाइक गिरते ही उस पर हमला कर दिया। उसकी बाइक को तोड़ दिया गया। उसके साथ जमकर मारपीट की गई। इसी दौरान आसपास के लोगों की भीड़ वहां एकत्रित हो गई, तो तीनों उसे मारने की धमकी देकर फरार हो गए। लोगों ने उसे अस्पताल पहुंचाया। पुलिस ने उसके बयान पर आरोपियों के खिलाफ हत्या के प्रयास का केस दर्ज किया है।

हत्या के केस में जमानत पर है मनसाराम

राहुल यादव ने पुलिस बयान में बताया कि मनसाराम के खिलाफ कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। हत्या के मामले में वह जमानत पर चल रहा है। उसने बताया कि पूर्व में उसके पिता ने मनसाराम के पिता के खिलाफ कोर्ट में गवाही दी थी, जिस कारण वह उसके परिवार से रंजिश रखता है। पुलिस ने केस दर्ज करने के बाद आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास शुरू कर दिए।

मारपीट के आरोप में दो के खिलाफ केस दर्ज

रेवाड़ी। गज्जीवास में दो भाइयों के साथ मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में दो लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है। पुलिस केस की जांच कर रही है।

पुलिस बयान में उदयवीर ने बताया कि उसके भाई दिनेश ने उसे फोन पर सूचना दी कि दो लड़के उसके साथ मारपीट कर रहे हैं। वह तुरंत स्कूटी लेकर अपने घर की ओर निकल पड़ा। जब वह घर पहुंचा दोनों लड़कों ने उसके साथ भी मारपीट करना शुरू कर दिया। उसका भाई दोनों लड़कों को जानता है।

दोनों रसियवास गांव के रहने वाले संजय और भूपेंद्र हैं। उदयवीर ने आरोप लगाया कि उस पर ऱ्इंट से वार किया गया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। बाद में आरोपी जान से मारने की धमकी देकर भाग गए। गांव के लोगों ने वहां आकर बचाव करते हुए उसे अस्पताल पहुंचाया। पुलिस ने उसके बयान पर केस दर्ज करने के बाद आरोपियों की तलाश शुरू कर दी।

धोखाधड़ी के आरोपी फर्जी पुलिसकर्मी ने दी भाजपा नेता को धमकी, केस दर्ज

■ पुलिस आरोपी की तलाश कर रही

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

डीआरडीओर में नौकरी के नाम पर धोखाधड़ी के शिकार बने लोगों का पक्षकार बनकर थाने जाने वाले युवा भाजपा नेता को धमकी देने के आरोपी फर्जी पुलिसकर्मी के खिलाफ पुलिस ने केस दर्ज किया है। एसपी की अनुमति से जांच के बाद आरोप सही पाए जाने पर पुलिस ने केस दर्ज किया है। पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है। भाजपा के युवा जिला महामंत्री धारण निवासी अरुण सिंह ने पुलिस को दायर परिवाद में बताया था कि उसके गांव के ही जितेंद्र ने खुद को हरियाणा पुलिस का जवान बताकर डीआरडीओ में नौकरी दिलाने के नाम पर लाखों रुपये की धोखाधड़ी की थी। वह पीड़ित पक्षकारों के साथ शिकायत दर्ज कराने के लिए मॉडल टाउन थाने गया था।

इसके बाद जितेंद्र ने गत 5 अप्रैल को व्हाट्सएप पर धमकी भरा वीडियो भेजा था। कॉल करने पर उसने उसे जान से मारने की धमकी दी थी। जितेंद्र के आपराधिक गतिविधियों में लिप्त होने के कारण उसका हथियार और लाइसेंस कोर्ट में जमा बताया जा रहा है। उसने हरियाणा पुलिस का फर्जी आई कार्ड भी बनवाया हुआ है। खुद की जान का खतरा बताते हुए भाजपा नेता ने उसके खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी।

रेवाड़ी। बावल पुलिस थाने का फोटो। फोटो :हरिभूमि

जांच में सही पाए गए आरोप

पुलिस ने एसपी के आदेश पर युवा भाजपा नेता की ओर से लगाए गए आरोपों की जांच की थी। जांच में पुलिस ने उसके आरोपों को सही करार दिया है। इसके बाद बावल थाना पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एसपी की मंजूरी के बाद विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया है। एसएचओ संजय कुमार के मुताबिक केस दर्ज करने के बाद आरोपी की तलाश की जा रही है।

कंपनी की फ्रेंचाइजीज के नाम पर लगाया 1.45 लाख रुपये का चूना

रेवाड़ी। डिलीवरी कंपनी की फ्रेंचाइजीज दिलाने के नाम पर लिसाना के एक युवक को 1.45 लाख रुपये की साइबर ठगी का शिकार बना दिया गया। साइबर थाना पुलिस ने केस दर्ज करने के बाद जांच शुरू कर दी। लिसाना निवासी धीरज ने पुलिस शिकायत में बताया कि उसने फेसबुक पर एक विज्ञापन देखा था। उस पर लिखे नंबर पर संपर्क करने पर उसने डिलीवरी कंपनी की फ्रेंचाइजीज लेने को कहा था। फोन पर बात करने वाले ने उसे बताया कि इसके लिए उसे निवेश करना पड़ेगा। पहले उसने बताए गए खाता नंबरों पर 45 हजार रुपये भेज दिए। उसे एक लाख रुपये और जमा कराने के लिए कहा गया। उसने यह राशि भी खाते में ट्रांसफर कर दी। यह रकम जमा कराने के बाद फोन पर बात करने वाले ने उसका फोन ही रिसीव करना बंद कर दिया है। पुलिस ने उसकी शिकायत पर केस दर्ज करने के बाद उस बैंक खाते का पता लगाने के प्रयास शुरू कर दिए, उसकी राशि ट्रांसफर की गई है।

दो दिन पूर्व मौसम में बदलाव के बाद बढ़ी नमी, कूलरों की हवा भी साबित होने लगी बेअसर

अब उमस भरी गर्मी छुड़ाने लगी पसीने, नौतपा में बूंदाबांदी होने की संभावना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

दो दिन पूर्व तेज आंधी के बाद आए मौसम में बदलाव व तापमान में गिरावट से लू के प्रकोप से तो निजात मिल गई, परंतु हवा में नमी का स्तर बढ़ने से उमस भरी गर्मी ने पसीने छुड़ाने शुरू कर दिए हैं। कूलरों की हवा भी बेअसर साबित होने लगी है।

मौसम में शनिवार को एक बार फिर परिवर्तन आ सकता है, जिस कारण नौतपा के दिनों में भी तापमान कम रहने की संभावना जताई जा रही है। बीते बुधवार की देर शाम तेज आंधी व कुछ इलाकों बूंदाबांदी के बाद तापमान साढ़े 5 डिग्री सेल्सियस कम हो गया था। इससे पूर्व तापमान 45.5 डिग्री तक पहुंच गया था। लू के थपेड़ों ने जनजीवन प्रभावित करना शुरू कर दिया था।

मौसम में बदलाव के बाद लू से निजात मिल गई, लेकिन अब उमस लोगों को जमकर परेशान करने लगी है। शुक्रवार को अधिकतम तापमान 0.5 डिग्री सेल्सियस बढ़कर 40.5 डिग्री पर आ गया।

न्यूनतम तापमान भी इतना ही बढ़कर 23.0 डिग्री पर पहुंच गया। सुबह से ही आसमान साफ रहने के कारण तेज धूप के कारण हवा में नमी 48 फीसदी तक होने से उमस बन गई।

इससे दोपहर बाद तक भारी उमस से लोग पसीने-पसीने होते रहे। पंखों और एसी की हवा से राहत मिलती रही, लेकिन कूलरों की हवा में पिचिपाहट पैदा हो गई। शाम तक उमस भरी गर्मी ने लोगों के पसीने छुड़ाए। एक दिन राहत के बाद गर्मी ने एक बार फिर से लोगों को जमकर परेशान करना शुरू कर दिया है।

रेवाड़ी। शुक्रवार को धूप से बचाने करते बावल रोड से गुजरते लोग। फोटो :हरिभूमि

आज फिर आ सकता है बदलाव

मौसम विभाग के अनुसार कमजोर विक्षोभ की सक्रियता से 24 मई को एक बार फिर मौसम बदल सकता है। तेज हवाओं या आंधी के साथ कुछ इलाकों में बूंदाबांदी हो सकती है। 25 मई से नौतपा की शुरूआत हो रही है, परंतु मौसम में बदलाव के चलते इस बार भी नौतपा के दिनों में बारिश हो सकती है। नौतपा में भारी गर्मी पड़ने की उम्मीद रहती है, जिससे धरती जमकर तपती है। ज्योतिषविदों के अनुसार नौतपा में अगर बारिश होती है, तो मानसून के सीजन में बरसात कम होने या सूखा पड़ने की आशंका रहती है।

बिजली की खपत में आई कमी

तापमान में गिरावट के बाद बिजली की खपत में भी कमी आ गई है। दैनिक खपत तापमान चरम पर पहुंचते ही 92 लाख यूनिट के पार पहुंच गई थी, जो मौसम में बदलाव के बाद कम होकर 70 लाख यूनिट तक आ गई है। बीते वीरवार को यह 60 लाख यूनिट तक आ गई थी। भारी गर्मी के कारण बिजली निगमों के लिए सिस्टम बचाना चुनौती बना हुआ था। ट्रांसफार्मरों पर कूलर चलाकर उन्हें ठंडा किया जा रहा था, ताकि भारी गर्मी से डैमेज के खतरे टाला जा सके।

लड़कियां आईटीआई में कर सकती हैं कुछ स्पेशल कोर्स

नालेज

यंगभूमि डेस्क

लड़का हो चाहे लड़की, पढ़ाई में अब भेदभाव नहीं रहा है। आज के समय में हर कोई व्यक्ति अपने बच्चों को साक्ष्य बनाना चाहता है यानी कि बच्चों को अच्छा पढ़ाना चाहता है। लड़कियों के लिए विशेष तौर पर कई प्रकार के अलग-अलग डिग्री व डिप्लोमा मौजूद होते हैं। लड़का और लड़की समान रूप से शिक्षा हासिल कर रहे हैं। लड़कियां कुछ ऐसे कोर्स कंप्लीट करके अपने करियर को आगे बढ़ा सकती हैं। करियर बनाने के लिए आईटीआई कोर्स लड़कों और लड़कियों के लिए उचित अवसर माना जाता है आईटीआई कोर्स में लड़कियों के लिए कुछ स्पेशल कोर्स जैसे हेयर डिजाइनिंग कोर्स इत्यादि मौजूद होते हैं।

लड़कों से कम नहीं लड़कियां

आज के समय में ऐसा माना जाता है कि लड़कियां लड़कों से कम नहीं है ऐसे में लड़कियों के लिए भी अलग से आईटीआई कोर्स उपलब्ध करवाए गए हालांकि इन कोर्सों को लड़के भी कर सकते हैं। लेकिन विशेष तौर से इन कोर्स को लड़कियों के लिए उपलब्ध करवाया गया है। जिसमें से लड़कियां किसी भी एक और को चुनकर अपने करियर को सकते हैं और अपने फ्यूचर में खुद को काबिल बना सकते हैं।

हेयर एंड स्किन केयर का कोर्स

हेयर एंड स्किन केयर का आईटीआई कोर्स जो विशेष तौर से लड़कियों के लिए उपलब्ध करवाया गया है इस कोर्स के नाम से ही पता चलता है कि इस कोर्स में लड़कियों की रुचि सबसे ज्यादा होती है। आईटीआई के इस कोर्स के माध्यम से सुंदरता और देखभाल संबंधित महत्वपूर्ण चीजें सिखाई जाती है। मुख्य तौर पर लड़कियां इस प्रकार के कोर्स को करने में अपनी अधिक रुचि दिखाती है और लड़कियों के लिए ही विशेष तौर से यह कोष उपलब्ध करवाया गया है। इस कोर्स को करने के पश्चात लड़कियां ब्यूटी पार्लर में नौकरी कर सकती है और खुद का ब्यूटी पार्लर भी खोल सकते हैं और अपने करियर को एक जगह पर स्टेबल करने में उन्हें मदद मिलती है।

कढ़ाई एवं सिलाई

लड़कियों के लिए दूसरा सबसे बेहतरीन आईटीआई कोर्स कटाई व सिलाई आईटीआई कोर्स है। इस कोर्स के अंतर्गत सिलाई के विशेष प्रकार के कार्य लड़कियों को सिखाए जाते हैं और साथ ही साथ कढ़ाई के काम भी सिखाए जाते हैं। आज के समय में कटाई और सिलाई की लोकप्रियता तथा डिमांड दिन प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। ऐसे में यह आईटीआई कोर्स करके आप किसी भी बड़ी सिलाई या कढ़ाई की फैक्ट्री में मशीन ऑपरेटिंग का काम कर सकते हैं या फिर अपना खुद का सिलाई व कढ़ाई का काम शुरू कर सकते हैं।

स्टाइल और फैशन के कोर्स

आईटीआई के बहुत सारे कोर्स है। जिसमें स्टाइल और फैशन के कोर्स भी मौजूद है। आईटीआई के फैशन डिजाइनिंग का कोर्स विशेष तौर से लड़कियों के लिए उपलब्ध होता है। इसको उसको करने के पश्चात लड़कियां फैशन डिजाइनिंग के क्षेत्र में अपने भविष्य को आगे बढ़ा सकती है। फैशन डिजाइनिंग का आईटीआई कोर्स करने के पश्चात लड़कियां खुद का ब्यूटी पार्लर खोलने के साथ-साथ कई तरह से फैशन डिजाइनर के तौर पर भी नौकरी हासिल कर सकती है। फैशन डिजाइनिंग आईटीआई कोर्स करने के पश्चात हर लड़की का भविष्य सिक्योर माना जाता है। क्योंकि आज के समय में फैशन डिजाइनर की डिमांड बहुत ही अधिक है।

ये कोर्स करियर बनाने में सहायक

स्टेनोग्राफर

आईटीआई में सबसे लोकप्रिय कोर्स स्टेनोग्राफर का कोर्स माना जाता है। इस स्टेनोग्राफर आईटीआई कोर्स करने के पश्चात सरकारी व निजी क्षेत्र में नौकरी उपलब्ध होने के चांस बहुत अधिक बढ़ जाते हैं। स्टेनोग्राफर का कोर्स करने के पश्चात किसी भी पद पर नौकरी हासिल करने के चांस बढ़ जाते हैं। सरकारी विभाग में कई स्टेनोग्राफर के पद पर भर्ती निकाली जाती है। ऐसे में आप यदि आईटीआई कोर्स कर चुके हैं। तो आपको प्रायोरिटी के साथ स्टेनोग्राफर पद पर शामिल होने का मौका मिलेगा स्टेनोग्राफर आईटीआई कोर्स है। जिसे लड़के व लड़कियां दोनों करते हैं। लेकिन लड़कियों के लिए यह एक बेहतरीन सुनहरा अवसर माना जाता है। स्टेनोग्राफर का कोर्स करने के पश्चात आप अपने टाइपिंग स्पीड को बढ़ा सकते हैं और कंप्यूटर टाइपिंग स्पीड अच्छी होने पर हर जगह आप की डिमांड बढ़ जाएगी आज के समय में पूरी दुनिया कंप्यूटर पर ही आधारित है और हिंदी व अंग्रेजी टाइपिंग स्पीड अच्छी है। तो आपको सरकारी जॉब के साथ-साथ निजी क्षेत्रों में भी जॉब के अच्छे अवसर मिलने शुरू हो जाएंगे।

इंटीरियर डेकोरेशन और डिजाइनिंग

आईटीआई का एक कोर्स जिसे मुख्य तौर पर लड़कियां अधिकतर चयन करती है। इस कोर्स के माध्यम से इंटीरियर डेकोरेशन और डिजाइनिंग के बारे में विशेष ज्ञान अर्जित करने का मौका मिलता है। लड़कियां इंटीरियर डिजाइन और इंटीरियर डेकोरेशन का काम कर अपने भविष्य के लिए रोजगार के कई सारे अवसर उपलब्ध खुद ही करवा सकते हैं। यह एक ऐसा क्षेत्र है जहां पर दिन प्रतिदिन डिमांड बढ़ती जा रही है और हर जगह बिजनेस हो या घर आंतरिक सजावट और डिजाइनिंग के लिए इंटीरियर डिजाइनर को बुलाया जाता है। ऐसे में यदि आपके पास इंटीरियर डेकोरेशन की कला है और आपने आईटीआई कोर्स कर रखा है। तो आपके लिए जॉब के बेहतरीन अवसर आपके सामने उपलब्ध होंगे।

हाउसकीपिंग

घर की देखभाल करने के लिए लड़कियां ऐसे भी माहिर होती है। लेकिन यदि हाउसकीपिंग जैसे आईटीआई कोर्स से लड़कियां ज्ञान अर्जित कर लेती है। तो उसके पश्चात घर की देखभाल में उन्हें और भी अधिक सहूलियत हो जाती है। सीधी भाषा में इसका मतलब यह हुआ कि घर की देखभाल करने के लिए जो आईटीआई कोर्स मौजूद है उसे हाउसकीपिंग आईटीआई कोर्स कहा जाता है। आईटीआई कोर्स के माध्यम से लड़कियां भविष्य में प्राइवेट सेक्टर में तो नौकरी हासिल कर सकती है। हाउसकीपिंग आईटीआई कोर्स करने के पश्चात आपको कहीं भी हाउस कीपर के तौर पर नौकरी मिल जाती है और इसकी सैलरी भी अच्छी मिलती है।

नवयुवकों के लिए एक बेहतरीन करियर विकल्प बनकर उभरा

तकनीक के क्षेत्र में रुचि है तो बनें एथिकल हैकर इंटरनेट को सुरक्षित बनाने में निभाएं अहम भूमिका

डॉ. मोहित बंसल

करियर कोच एवं मोटिवेशनल स्पीकर

डिजिटल सुरक्षा सबसे बड़ी प्राथमिकता

यदि आप तकनीक के क्षेत्र में रुचि रखते हैं और इंटरनेट की दुनिया को सुरक्षित बनाने की चाह रखते हैं, तो एथिकल हैकर बनना एक उत्कृष्ट करियर विकल्प हो सकता है। एथिकल हैकिंग वह विधा है, जिसमें आप कम्प्यूटर प्रणाली की कमजोरियों को खोजकर उन्हें सुरक्षित करने का कार्य करते हैं। यह पेशा आधुनिक युग में बेहद आवश्यक होता जा रहा है, क्योंकि डिजिटल सुरक्षा अब किसी भी देश, संस्था या व्यक्ति के लिए सबसे बड़ी प्राथमिकता बन गई है। एथिकल हैकर को 'वाइट हैट हैकर' भी कहा जाता है, जो संगठनों की अनुमति से उनकी वेबसाइट, नेटवर्क और सॉफ़्टवेयर में संभावित खामियों को खोजता है। उनका उद्देश्य इन खामियों का दुरुपयोग नहीं, बल्कि उन्हें ठीक कराना होता है, ताकि कोई दुर्भावनापूर्ण हैकर (ब्लैक हैकर) इनका फ़ायदा न उठा सके। वे परीक्षण के माध्यम से साइबर प्रणाली को सुदृढ़ बनाते हैं और डेटा की सुरक्षा सुनिश्चित करते हैं।

प्रमुख शैक्षणिक संस्थान और पाठ्यक्रम

सरकारी संस्थान

1. **भारतीय** प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), कानपुर
   पाठ्यक्रम: साइबर सुरक्षा में स्नातकोत्तर डिप्लोमा
2. **राष्ट्रीय** प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी), तिरुचिरापल्ली
   पाठ्यक्रम: सूचना सुरक्षा में बी.टेक/एम.टेक
3. **भारतीय** सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईआईटी), हैदराबाद
   पाठ्यक्रम: साइबर सिस्टम और नेटवर्किंग
4. **इंदिरा** गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू)
   पाठ्यक्रम: सूचना सुरक्षा में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम

निजी संस्थान

1. **वेबसेक लैब्स, बेंगलुरु**
   पाठ्यक्रम: एथिकल हैकिंग और पेनिट्रेशन टेस्टिंग
2. **अपग्रेड (ऑनलाइन प्लेटफॉर्म)**
   पाठ्यक्रम: साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ कार्यक्रम
3. **एमिटी यूनिवर्सिटी, नोएडा**
   पाठ्यक्रम: बी.टेक इन साइबर लॉ एंड सिक्योरिटी
4. **एरेना मल्टीमीडिया**
   पाठ्यक्रम: नेटवर्क सुरक्षा और नैतिक हैकिंग में डिप्लोमा

वेतन प्रारंभिक स्तर

25,000 – 60,000 प्रति माह
वार्षिक: 3,00,000 – 7,20,000
मध्यम अनुभव (3–5 वर्ष):
80,000 – 1,50,000 प्रति माह
वार्षिक: 9,60,000 – 18,00,000

वरिष्ठ स्तर

20 लाख – 40 लाख प्रति वर्ष
1,66,667 – 3,33,333 प्रति माह (लगभग)

स्वतंत्र सलाहकार

प्रति प्रोजेक्ट: 50,000 – 5,00,000
-यदि 12 प्रोजेक्ट साल में करें तो 6,00,000 – 60,00,000 वार्षिक (अनुमानित)

आवश्यक कौशल

⏭ एक एथिकल हैकर को केवल तकनीकी ज्ञान ही नहीं, बल्कि तेज विश्लेषणात्मक सोच भी होनी चाहिए।
⏭ उन्हें नेटवर्क सुरक्षा, एनक्रिप्शन, वायरस डिटेक्शन जैसे पहलुओं की गहरी समझ होनी चाहिए। संवाद
⏭ कौशल और नैतिक जिम्मेदारी इस क्षेत्र में विशेष महत्त्व रखते हैं। उन्हें यह भी जानना होता है कि एक
⏭ हमलावर कैसे सोच सकता है। तभी वे सिस्टम को उस स्तर पर सुरक्षित कर पाते हैं। लगातार अपडेट
⏭ रहना और नई तकनीकों को सीखना इस पेशे में जरूरी है।
नेटवर्क सुरक्षा और फ़ायरवॉल की समझ
पेनिट्रेशन टेस्टिंग तकनीकें
मैलवेयर विश्लेषण और वायरस डिटेक्शन
प्रणाली और डेटा एनक्रिप्शन
रिपोर्ट लेखन और जोखिम मूल्यांकन

प्रमुख कार्य क्षेत्र

- **बैंकिंग और वित्तीय संस्थाएं :** ग्राहकों की जानकारी की सुरक्षा
- **सरकारी एजेंसियां :** राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी सूचना संरचना की रक्षा
- **आईटी कंपनियां :** सॉफ़्टवेयर और ऐप की सुरक्षा जांच
- **ई-कॉमर्स प्लेटफ़ॉर्म :** ऑनलाइन भुगतान प्रणाली की निगरानी
- **स्वास्थ्य सेवाएं :** रोगियों के डिजिटल रिकॉर्ड की रक्षा
- **शैक्षणिक संस्थान :** छात्र डेटा और पोर्टल सुरक्षा

शिक्षा और योग्यता

एथिकल हैकिंग में करियर बनाने के लिए तकनीकी पृष्ठभूमि बहुत ज़रूरी होती है। इसमें कंप्यूटर नेटवर्क, ऑपरेटिंग सिस्टम और प्रोग्रामिंग की समझ होना आवश्यक है। इसके अलावा, साइबर सुरक्षा से जुड़े विषयों की पढ़ाई भी आवश्यक है। छात्र बी.टेक, एम.टेक या डिप्लोमा जैसे पाठ्यक्रमों के माध्यम से इस क्षेत्र में प्रवेश कर सकते हैं। साथ ही, कुछ ऑनलाइन प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम भी उपलब्ध हैं। बहु-विषयक समझ और व्यावहारिक अनुभव इस क्षेत्र में सफलता की कुंजी हैं।

- **कंप्यूटर नेटवर्क और ऑपरेटिंग सिस्टम**
- **साइबर सुरक्षा और नैतिक हैकिंग**
- **क्रिप्टोग्राफी और सूचना सुरक्षा**
- **प्रोग्रामिंग भाषाएँ (जैसे: पायथन, सी, जावा)**
- **डेटा संरचना और एल्गोरिदम**

रोज़गार के अवसर

एथिकल हैकर के लिए नौकरी के अनेक अवसर उपलब्ध हैं। सरकारी विभागों से लेकर निजी कंपनियाँ इनकी सेवाएं लेती हैं। रक्षा, बैंकिंग, आईटी, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे कई क्षेत्रों में इनकी मांग बढ़ रही है। आज की दुनिया में डेटा सबसे बड़ा संसाधन बन चुका है। इसकी सुरक्षा एथिकल हैकर की प्राथमिक ज़िम्मेदारी होती है। वे स्वतंत्र सलाहकार, स्टार्टअप संस्थापक या फुल टाइम प्रोफेशनल के रूप में काम कर सकते हैं।

⏭ रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ)
⏭ भारतीय साइबर सुरक्षा एजेंसी (सीईआरटी-इन)
⏭ बैंकों और बीमा कंपनियाँ
⏭ आईटी कंपनियाँ – टीसीएस, इंफोसिस, विप्रो
⏭ विदेशी फर्म – गूगल इंडिया, अमेज़न, माइक्रोसॉफ्ट
⏭ स्टार्टअप और फ्रीलांसिंग प्रोजेक्ट्स

वेतन और संभावनाएं

एथिकल हैकर के लिए नौकरी के अनेक अवसर उपलब्ध हैं। सरकारी विभागों से लेकर निजी कंपनियाँ इनकी सेवाएं लेती हैं। रक्षा, बैंकिंग, आईटी, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे कई क्षेत्रों में इनकी मांग बढ़ रही है। आज की दुनिया में डेटा सबसे बड़ा संसाधन बन चुका है। इसकी सुरक्षा एथिकल हैकर की प्राथमिक ज़िम्मेदारी होती है। वे स्वतंत्र सलाहकार, स्टार्टअप संस्थापक या फुल टाइम प्रोफेशनल के रूप में काम कर सकते हैं।

करियर सलाहकार से लें सलाह

एथिकल हैकिंग एक ऐसा क्षेत्र है जो न केवल तकनीकी विशेषज्ञता, बल्कि ईमानदारी और ज़िम्मेदारी की भी मांग करता है। यदि आप डिजिटल दुनिया को सुरक्षित बनाने की दिशा में योगदान देना चाहते हैं, तो यह करियर न केवल चुनौतीपूर्ण बल्कि बेहद सम्मानजनक भी हो सकता है। किसी भी करियर का चुनाव करने से पहले किसी योग्य करियर सलाहकार से सलाह ज़रूर लें। अधिक जानकारी के लिए आप **www.careerjaano.com**पर भी विज़िट कर सकते हैं।

धैर्य और संयम अनमोल गुण, ये शैक्षिक और व्यक्तिगत विकास में करते मदद

मोटिवेशनल

डॉ. दिव्या तंवर

युद्ध के मैदान में सैनिकों को अक्सर ऐसी परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है, जहां धैर्य और संयम ही उनकी सबसे बड़ी ताकत बनते हैं। लंबी प्रतीक्षा, संसाधनों की कमी, अनिश्चितता, और कठिन मौसम जैसी चुनौतियां सैनिकों से धैर्यपूर्ण और संयमित रहने की मांग करती हैं। इसी तरह, छात्रों के जीवन में भी धैर्य और संयम अनमोल गुण हैं, जो उन्हें शैक्षिक और व्यक्तिगत विकास में मदद करते हैं। पढ़ाई के दौरान जटिल विषयों को समझने, लंबे समय तक लगातार मेहनत करने, या परीक्षा में अच्छे अंक न आने पर हार न मानने के लिए धैर्य की आवश्यकता होती है। युद्ध की ऐतिहासिक कहानियां, जैसे प्रथम और द्वितीय विश्व युद्ध, हमें सिखाती हैं कि जल्दबाजी में लिए गए फैसले अक्सर विनाशकारी साबित होते हैं, जबकि संयम के साथ सही समय पर उठाए गए कदम जीत की ओर ले जाते हैं।

धैर्यपूर्वक अवसर का इंतजार करना रणनीति का मूल

उदाहरण के लिए, सन त्जु की पुस्तक 'द आर्ट ऑफ वॉर' में बताया गया है कि धैर्यपूर्वक सही अवसर का इंतजार करना रणनीति का मूल आधार है। छात्रों को भी इस सिद्धांत को अपनाना चाहिए। जब वे किसी कठिन अध्याय को समझने में समय लेते हैं या असफलता के बाद दोबारा प्रयास करते हैं, तो धैर्य उन्हें निराशा से बचाता है और आत्मविश्वास प्रदान करता है। इसके अलावा, संयमित व्यवहार उन्हें तनावपूर्ण परिस्थितियों में शांत रहने और सोच-समझकर निर्णय लेने की क्षमता देता है। उदाहरण के तौर पर, यदि कोई छात्र परीक्षा की तैयारी में पिछड़ रहा है, तो संयम के साथ समय प्रबंधन और लगातार छोटे-छोटे प्रयास उसे सफलता की ओर ले जा सकते हैं। युद्ध के सबक हमें यह भी सिखाते हैं कि धैर्य और संयम न केवल व्यक्तिगत लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद करते हैं, बल्कि दूसरों के साथ बेहतर संबंध बनाने में भी सहायक हैं। स्कूल में सहपाठियों के साथ छोटे-मोटे विवादों को सुलझाने या शिक्षकों की सलाह को ध्यान से सुनने में संयम का उपयोग करना छात्रों को एक जिम्मेदार और परिपक्व व्यक्तित्व प्रदान करता है। इस प्रकार, धैर्य और संयम को अपनाकर छात्र न केवल अपनी शैक्षिक यात्रा में सफलता प्राप्त कर सकते हैं, बल्कि जीवन की हर चुनौती को आत्मविश्वास और शांति के साथ पार कर सकते हैं। युद्ध से मिला यह सबक हमें याद दिलाता है कि कठिनाइयों में धैर्य बनाए रखना और संयमित दृष्टिकोण अपनाना ही सच्ची जीत का मार्ग है।

योजना बनाना जरूरी

रणनीति और नियोजन की कला : युद्ध में सफलता के लिए सटीक रणनीति और नियोजन जरूरी है। प्राचीन ग्रंथ 'द आर्ट ऑफ वॉर' में सन त्जु ने बताया कि किसी भी लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए पहले उसकी योजना बनानी चाहिए।

धैर्य और संयम : युद्ध में सैनिकों को कठिन परिस्थितियों में धैर्य बनाए रखना पड़ता है। यह गुण छात्रों के लिए भी महत्वपूर्ण है। परीक्षा की तैयारी, असफलता या मुश्किल समय में धैर्य और संयम से काम लेना उन्हें मजबूत बनाता है।

साहस और दृढ़ता : युद्ध में सैनिक असंभव लगने वाली परिस्थितियों में भी हार नहीं मानते। छात्रों को भी अपने जीवन में साहस दिखाना चाहिए। चाहे वह नई चीजें सीखना हो, असफलता से उबरना हो या चुनौतियों का सामना करना हो, दृढ़ता और साहस उन्हें आगे बढ़ने में मदद करते हैं।

टीमवर्क और नेतृत्व : युद्ध में कोई भी सेना अकेले नहीं लड़ती; यह सामूहिक प्रयास का परिणाम होता है। छात्रों को भी समूह में काम करने का महत्व समझना चाहिए। स्कूल प्रोजेक्ट्स, खेल या अन्य गतिविधियों में एकजुट होकर काम करने से न केवल सफलता मिलती है, बल्कि नेतृत्व के गुण भी विकसित होते हैं। युद्ध के उदाहरणों से सीखें कि एक अच्छा नेता कैसे अपनी टीम को प्रेरित करता है।

सामान्य ज्ञान

1. गोबर पर उगने वाले कवक कहलाते हैं
(ए) साक्सीकोलस
(बी) टेरीकोल्स
(सी) कोर्टीकोल्स
(डी) कोप्रोफिलस

2. निम्न में से किसमें क्लोरोफिल नहीं होता है ?
(ए) शैवाल
(बी) ब्रायोफाईटस
(सी) टैरोडोफाईटस
(डी) कवक

3. आलू का लेट ब्लाईट उत्पन्न होता है -
(ए) एल्बयूगो कैंडीडा द्वारा
(बी) फ्यूजेरियम मोनिलीफार्म द्वारा
(सी) फाइटोप्थोरा इन्फेस्टेंस द्वारा
(डी) आल्टनेरिया सोलेनाई द्वारा

4. डबल रोटी के निर्माण में काम आने वाला कवक है -
(ए) राईजोफस स्टोलनिफर
(बी) जाइगो सैकरोमाइसीज
(सी) सैकरोमाईसीज सेरेवीसी
(डी) सैकरोमाईकोडिस

5. पेनीसीलीयम क्या है ?
(ए) विषाणु
(बी) शैवाल
(सी) कवक
(डी) जीवाणु

6. पेनिसिलिन की खोज किसने की थी ?
(ए) चार्ल्स गुडईयर
(बी) माइकल फैराडे
(सी) एलेक्जेंडर फ्लेमिंग
(डी) विलियम हार्वे

7. अर्गोट (**Ergot**) प्राप्त होता है।
(ए) राईजोबियम से
(बी) क्लेवीसेप्स से
(सी) फाइटोमोनैस से
(डी) एलब्युगो से

8. औद्योगिक स्तर पर पेनिसिलिन प्राप्त किससे किया जाता है ?
(ए) पेनिसिलियम एक्सपेन्स्म से
(बी) पेनिसीलियम क्राईसोजेनम से
(सी) पेनीसीलीयम नोटेटम से
(डी) पेनीसीलियम क्लेवीफॉर्म से

9. यीस्ट में कायिक जनन होता है -
(ए) मुकुलन द्वारा
(बी) एकाईनिटस द्वारा
(सी) एप्लाजोस्पोर्स द्वारा
(डी) एस्कोस्पोर्स द्वारा

उत्तर 1.(डी) 2.(डी) 3.(सी) 4.(सी) 5.(सी) 6.(सी) 7.(बी) 8.(बी) 9.(ए)

खबर संक्षेप

91 वर्षीय समाजसेविका छोटा देवी का निधन

कुंड जिले के गांव खोरी निवासी समाजसेविका छोटा देवी का शुक्रवार को 91 वर्ष की आयु में निधन हो गया। वे काफी दिनों से बीमार चल रही थी। छोटा देवी ने घर के साथ-साथ समाज को भी अपना घर मानते हुए अनेक सामाजिक कार्य किए। छोटा देवी 2018 में अपने निजी पैसे से श्मशान घाट की चारदिवारी कराई और वहां पौधे लगाकर उनकी देखभाल भी की। छोटा देवी ने समाज में फैली कुरीतियों को दूर करने में अहम भूमिका निभाई। छोटा देवी आने पीछे 4 बेटे, 2 बेटियों, 6 पोते और 4 पोतियों सहित 11 पड़पोते और पड़पोतिया छोड़कर गई है।

बाइक चोरी मामले में दूसरा आरोपी भी गिरफ्तार

रेवाड़ी थाना धारूहेड़ा पुलिस ने बाइक चोरी करने के मामले में एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस इस मामले में एक आरोपी को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। आरोपी को कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया।

राजस्थान के जिला अलवर के गांव खानपुर निवासी विक्रम सिंह ने अपनी शिकायत में बताया था की गत 5 मार्च वह अपनी बाइक पर करुनेश वाटिका धारूहेड़ा में एक शादी के प्रोग्राम में गया था। उसने अपनी बाइक को वाटिका के बहार खड़ी किया था। नाम पता नामालूम व्यक्ति चोरी करके ले गए है।

छात्र परिषद् के पदाधिकारियों को कर्तव्य निष्ठा की शपथ दिलाई गई

जेपीएस में छात्र अलंकरण समारोह में लाभांश हेड ब्वॉय व याशिता बनी हेड गर्ल

समारोह में छठी से आठवीं तक व जेई मेन्स, सीएस, सीए फाउंडेशन व एनडीए की प्रतियोगी परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थी सम्मानित हुए।

रेवाड़ी। कार्यक्रम में शपथ लेते हुए छात्र परिषद के पदाधिकारी व समारोह में मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित करते हुए प्रबंधन समिति। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

जैन पब्लिक स्कूल में छात्र परिषद के अलंकरण समारोह एवं मेधावी विद्यार्थियों के सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। प्रबंधन समिति के सचिव अमित जैन ने छात्र परिषद् के पदाधिकारियों को कर्तव्यनिष्ठा की शपथ दिलाई गई, वहीं विभिन्न कक्षाओं एवं प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को विशिष्ट अतिथि रूचि जैन, शोभी जैन, प्रीति जैन एवं पलका जैन ने सम्मानित किया। प्रधानाचार्या सोनल छाबड़ा ने सभी का शाब्दिक अभिनंदन किया। विशिष्ट अतिथियों के साथ प्रबंधन समिति के प्रधान प्रदीप जैन, उप प्रधान राकेश जैन, सचिव अमित जैन, प्रबंधक मोहित जैन, कोषाध्यक्ष सचिन जैन, शासकीय निकाय सदस्य अनुज जैन, शिक्षाविद वी के जैन, प्रधानाचार्या, उप प्रधानाचार्या एवं अंकुर प्रभारी रेणिका जैन ने छात्र परिषद् के सदस्यों को बैज लगाकर तथा मेधावी विद्यार्थियों को शील्ड प्रदान करके सम्मानित किया।

इनको मिली जिम्मेदारी

मीडिया एवं कार्यक्रम प्रभारी गोपाल शर्मा ने बताया कि छात्र परिषद में लाभांश को हैड ब्वॉय, याशिता शर्मा को हैड गर्ल तथा विधि सिंह को महासचिव की जिम्मेदारी सौंपी गई। नतांश को वाइस हैड ब्वाय एवं नताशा को वाइस हैड गर्ल बनाया गया।

इसके अलावा मोक्षी व धारवी को साहित्यिक सचिव, सुमित व परी को सांस्कृतिक सचिव, काव्य जैन व कृतिका को खेल सचिव, आरव बतरा व वृति को आईटी सचिव, केशिका व ईशिका गुलाटी को अनुशासन सचिव, खुशबू व प्रियांशी को आयोजन सचिव की जिम्मेदारी दी गई। हैड ब्वाय एवं हैड गर्ल ने अपनी भावनाओं से अवगत कराया। इस मौके पर आदिनाथ सदन, अजितनाथ सदन, पार्श्वनाथ सदन व महावीर सदन के कैप्टन, वाइस कैप्टन एवं सदस्यों को बैज प्रदान किए गए। गत वर्ष के प्रदर्शन के आधार पर पार्श्वनाथ सदन को सर्वश्रेष्ठ सदन की ट्रॉफी दी गई व छात्र परिषद में गत वर्ष जिम्मेदारी निभाने वाले प्रमुख पदाधिकारियों को भी सम्मानित किया गया।

उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र सम्मानित

समारोह में छठी से आठवीं कक्षा के 90 प्रतिशत से अधिक अंक लेने वाले मेधावी विद्यार्थियों सहित जेई मेन्स, सीएस, सीए फाउंडेशन व एनडीए की प्रतियोगी परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। प्रबंधन समिति की ओर से विज्ञान विभागाध्यक्ष शीतल बिष्ट, कोचिंग स्टाफ से अमित कुमार, राहुल राय व रजनीश शर्मा तथा कॉमर्स विभाग की विभागाध्यक्ष श्रुति मेहता, मेघा, एवं अपर्णा को भी सम्मानित किया गया। इस मौके पर जैन एजुकेशन बोर्ड के प्रधान मोहित जैन सहित विद्यार्थियों के अभिभावक भी उपस्थित रहे। उप प्रधानाचार्या विजय गुप्ता ने सभी का आभार व्यक्त किया। मंच संचालन लीना मखीजा ने किया।

रेवाड़ी। एडीआर सेंटर में जानकारी देते डालसा सचिव अमित वर्मा व एडीसी अनुपमा अंजलि। फोटो : हरिभूमि

गांव बोडिया कमालपुर में मेगा सर्विस कैंप 28 को

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

आमजन को सरकार की जनहितकारी नीतियों का लाभ पहुंचाने व कानूनी सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से 28 मई को गांव बोडिया कमालपुर में मेगा सर्विस कैंप का आयोजन किया जा रहा है। पीएम श्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय परिसर में आयोजित मेगा सर्विस कैंप का शुभारंभ जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के चेयरमैन गुरविंद्र सिंह वधवा, डीसी अभिषेक मीणा व एसपी हेमेंद्र मीणा की गरिमामयी उपस्थिति में किया जाएगा।

मेगा सर्विस कैंप के आयोजन को लेकर शुक्रवार को एडीआर सेंटर सभागार में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव एवं सीजेएम अमित वर्मा तथा एडीसी अनुपमा अंजलि ने विभागीय अधिकारियों की बैठक लेते हुए रूपरेखा तैयार की। इस मौके पर एडीसी अनुपमा अंजलि ने कहा कि प्रशासन की ओर से विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में लगने वाले मेगा सर्विस कैंप में आमजन को सरकार की योजनाओं से लाभांवित किया जाएगा।

सीजेएम अमित वर्मा ने बताया कि जिला प्रशासन के सहयोग से 28 मई को सुबह 9 से शाम 5 बजे तक मेगा सर्विस कैंप का आयोजन होगा। उन्होंने बताया कि कैंप में जिला प्रशासन के विभिन्न विभागों में ट्रैफिक पुलिस, फैमिली आईडी, आयुष्मान कार्ड, हेल्थ चेकअप कैंप, सर्व शिक्षा अभियान, हाउसिंग स्कीम्स, किसानों के लिए योजनाएं, बीमा योजनाएं, बैंकिंग सहायता, पेंशन, सुकन्या समृद्धि योजना, रेडक्रॉस सोसाइटी व आधार कार्ड अपडेट सहित अनेक योजनाओं का लाभ दिया जाएगा।

अवैध हथियार के साथ एक आरोपी गिरफ्तार

रेवाड़ी। अवैध हथियार के साथ गिरफ्तार दो आरोपी। फोटो :हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

सीआईए ने नेशनल हाइवे के नया बाईपास रोड के अंडरपास से एक युवक को अवैध हथियार के साथ गिरफ्तार किया है। उसके खिलाफ मॉडल टाउन थाने में केस दर्ज कराया गया है। पुलिस ने पूछताछ के बाद उसे हथियार उपलब्ध कराने वाला भी गिरफ्तार कर लिया।

सीआईए को सूचना मिली थी कि बिठवाना निवासी अंकित आवारा किस्म का युवक है। सीआईए ने सूचना मिलने के बाद अंडरपास के पास खड़े एक युवक से पूछताछ की तो उसने अपना नाम अंकित बताया।

अंकित किसी के आने का इंतजार कर रहा था। तलाशी लेने पर उसकी जेब से देशी पिस्टल बरामद हुआ। पिस्टल के चैंबर को चेक किया तो वह खाली था। सीआईए ने आरोपी को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया।

उसके खिलाफ मॉडल टाउन थाने में केस दर्ज कराने के बाद पूछताछ शुरू की तो उसने बताया कि उसे यह हथियार भवाड़ी निवासी पंकज ने उपलब्ध कराया था। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए पंकज को भी गिरफ्तार कर लिया। पुलिस मामले में पूछताछ कर रही है।

मेरी बेटी मेरी शान-मेरी बेटी मेरा अभिमान कार्यक्रम कल

रेवाड़ी हमारा परिवार संस्था की ओर से 25 मई को पंजाबी धर्मशाला में बेटियों के सम्मान में कार्यक्रम 'मेरी बेटी मेरी शान-मेरी बेटी मेरा अभिमान' कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। संस्था के संयोजक दिनेश कपूर ने बताया कि चिकित्सक एवं समाजसेवी डा. आरबी यादव कार्यक्रम में मुख्यातिथि व नई दिशा युवा मंच के जिला प्रधान एडवोकेट निशांत यादव विशिष्टातिथि रहेंगे। संस्था की ओर से बाबा फरीद सेवा ट्रस्ट के प्रधान दिनेश राजपाल, श्रीराम युवा वाहिनी एवं गोरक्षा समिति की जिला प्रधान दीपा भारद्वाज आदि मौजूद रहेंगे।

रोहिंग्या व बांग्लादेशियों की पहचान के लिए चला पुलिस का सर्च अभियान

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

जिला पुलिस की ओर से जिले में अनाधिकृत रूप से रहने वाले रोहिंग्या व बांग्लादेशी नागरिकों का पता लगाने के लिए सर्च अभियान चलाया हुआ है। शुक्रवार को पुलिस ने ईंट-भट्ठों, झुग्गी-झोपड़ियों व अन्य संदिग्ध स्थानों पर संदिग्ध लोगों की जांच की। पुलिस टीम ने बाहरी श्रमिकों के पहचान पत्र भी जांचे। एसपी हेमेंद्र कुमार मीणा ने कहा कि जिले में अनाधिकृत रूप से रह रहे रोहिंग्या व बांग्लादेशी नागरिकों की तलाश के लिए इस तरह का अभियान लगातार जारी रहेगा। जिले में सुरक्षा की दृष्टि से यह कदम उठाए जा रहे हैं। एसपी ने कहा कि इस मामले में किसी थाना प्रबंधक, चौकी प्रभारी की कोई लापरवाही पाई जाती है तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

रेवाड़ी। अभियान के दौरान आईडी की जांच करते हुए पुलिस। फोटो : हरिभूमि

रेवाड़ी। कैंप में छात्राओं के हिमोग्लोबिन की जांच करती टीम। फोटो : हरिभूमि

महिला आईटीआई में कैंप आयोजित, छात्राओं को एनीमिया के प्रति किया जागरूक

रेवाड़ी लावण्या फाउंडेशन व आरबीयादव अस्पताल के संयुक्त तत्वावधान में एनीमिया मुक्त भारत अभियान के तहत राजकीय महिला औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में हीमोग्लोबिन परीक्षण शिविर व जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। शिविर में छात्राओं को एनीमिया रोग और हीमोग्लोबिन की जानकारी दी गई। शिविर में 42 छात्राओं के रक्त के नमूने लिए गए। शिविर में डा. सुमन यादव ने छात्राओं को एनीमिया से बचाव और इलाज के बारे में जानकारी दी। छात्राओं को एनीमिया के लक्षणों, कारणों और इससे बचने के तरीकों के बारे में बताया गया। उन्होंने छात्राओं को फास्ट फूड से दूर रहने की सलाह दी। डा. सुमन ने कहा कि एनीमिया से बचने के लिए एक स्वस्थ आहार, नियमित व्यायाम और पर्याप्त नींद का सेवन करना चाहिए। आयरन से भरपूर खाद्य पदार्थों में हरी पत्तेदार सब्जियां व फलों का सेवन करना चाहिए। विटामिन सी से भरपूर फल और सब्जियां भी आयरन के अवशोषण को बेहतर बनाने में मदद करती हैं।

डीसी ने की समाधान शिविर व सीएम विंडो पर आने वाली शिकायतों की समीक्षा

- सभी विभागाध्यक्ष शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर त्वरित कार्रवाई करें

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

डीसी अभिषेक मीणा ने कहा कि जिले में प्रत्येक सोमवार व वीरवार को लगाए जा रहे समाधान शिविर आमजन की शिकायतों के समाधान का सशक्त माध्यम बन रहे हैं। डीसी अभिषेक मीणा शुक्रवार को लघु सचिवालय सभागार में सभी विभागाध्यक्षों के साथ समाधान शिविर व सीएम विंडो पर आई शिकायतों की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सभी विभागाध्यक्ष शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ाने के लिए नियमित निगरानी और त्वरित कार्रवाई करना सुनिश्चित करें। इससे पूर्व हरियाणा सरकार के आयुक्त एवं सचिव विजय सिंह दहिया ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश भर के उपायुक्त को दिशा-निर्देश दिए। डीसी मीणा ने कहा कि लंबित शिकायतों का शीघ्र समाधान करें और यदि इन शिकायतों का शीघ्र समाधान नहीं होता है तो इन शिकायतों को कष्ट निवारण एवं परिवेदना समिति की बैठक में रखा जाएगा। डीसी ने कहा कि सीएम विंडो पर जिले का अच्छा स्कोर है।

उन्होंने इसी तरह सीएम विंडो पर आने वाली शिकायतों का समाधान तय समय सीमा में हल करने के निर्देश दिए। बैठक में एडीसी अनुपमा अंजलि, डीएमसी राहुल मोदी, प्रशिक्षु आईएएस रूहानी, एसडीएम सुरेंद्र सिंह, एसडीएम कोसली विजय कुमार, सीटीएम प्रीति रावत व डीएसपी विनोद शंकर सहित सभी विभागाध्यक्ष मौजूद थे।

रेवाड़ी। सचिवालय सभागार में अधिकारियों की बैठक लेते डीसी अभिषेक मीणा। फोटो : हरिभूमि

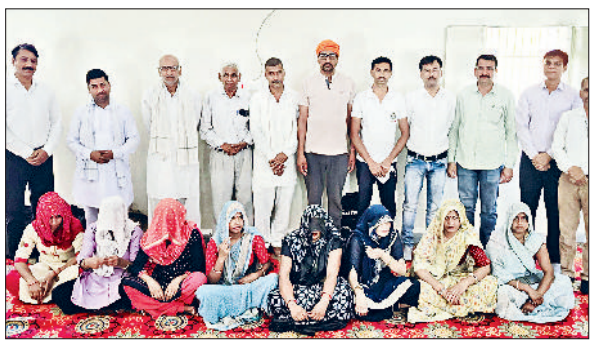

रेवाड़ी। शिक्षकों के साथ एसएमसी के पदाधिकारी व सदस्य। फोटो : हरिभूमि

पीथड़ावास स्कूल में सभा का आयोजन रघुराज बने एसएमसी प्रधान

कुंड शुक्रवार को शहीद दशरथ राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय पीथड़ावास में विद्यालय प्रबंधन समिति के गठन के लिए सांझी सभा का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता सरपंच अनिता शर्मा ने की। प्राचार्य अजय कुमार ने आय-व्यय का ब्योरा, विद्यालय की शैक्षणिक गतिविधियों व उपलब्धियों की रिपोर्ट प्रस्तुत की। मौलिक मुख्याध्यापक कृष्ण कुमार ने विद्यालय प्रबंधन समिति के कर्तव्य व अधिकार के बारे में अवगत कराया। सभा में सर्वसम्मति से विद्यालय प्रबंधन समिति का गठन करके रघुराज को प्रधान, सज्जन सिंह को उपप्रधान तथा पूनम, मनीषा, पूजा, संयोगिता, प्रदीप कुमार, अमृत कुमार व रविन्द्र कुमार पंच को सदस्य तथा सत्यनारायण को शिक्षाविद के रूप शामिल किया गया। प्राचार्य अजय कुमार ने समिति सदस्यों को शपथ दिलाई गई।

कार्यक्रम ढालियावास चौक पर लोगों को नशे के खिलाफ किया जागरूक

नशे को समाप्त करना एक लंबी और सामूहिक प्रक्रिया, जिसमें सभी की भागीदारी अनिवार्य

- एचएसएनसीबी जिला यूनिट ने निकाली जागरूकता रैली

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

हरियाणा राज्य नार्कोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो की ओर से हरियाणा में नशा तस्करों के खिलाफ कानूनी कार्यवाही करने के साथ-साथ समाज को नशे के प्रति जागरूक किया जा रहा है। शुक्रवार को एनसीबी जिला यूनिट की ओर से गांव ढालियावास स्थित लेबर चौक पर नशे के खिलाफ जागरूकता अभियान चलाया। यूनिट के इंचार्ज निरीक्षक नीरज कुमार ने बुजर्गों, युवाओं, मजदूरों व अन्य लोगों को नशे के दुष्परिणामों से अवगत कराया तथा नशे से दूर रहने की शपथ भी दिलाई। उन्होंने कहा कि एक जागरूक समाज ही बेहतर भविष्य का निर्माण करता है। नशा एक सामाजिक कुरीति है। नशा सामाजिक, पारिवारिक और व्यक्तिगत जीवन को बर्बाद कर देता है। इसकी लत व्यक्ति की शारीरिक, मानसिक और आर्थिक स्थिति को बुरी तरह प्रभावित करती है। उन्होंने कहा कि जिस तरह हम अपने घर से गंदा पानी बाहर फेंकते है उसी तरह हमे नशे को अपने समाज से बाहर फेंकना है। उन्होंने कहा की हरियाणा सरकार और एचएसएनसीबी के नमक लोटा अभियान, साइक्लोथॉन मुहिम और अन्य पहल नशे के खिलाफ एक सशक्त संदेश देती हैं। समाज से नशे को समाप्त करना एक लंबी और सामूहिक प्रक्रिया है, जिसमें सरकार, परिवार, शिक्षण संस्थाएं, मीडिया और आम नागरिकों की भागीदारी अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि अगर किसी को भी अपने आसपास नश बिकता हुआ दिखाई दे तो भारत सरकार के टोल फ्री नंबर 1933, ऑनलाइन शिकायत पोर्टल एन सी बी मानस. जीओवी इन और हरियाणा एनसीबी के टॉल फ्री नंबर 90508-91508 पर सूचना दें।

रेवाड़ी। ढालियावास चौक पर लोगों को नशे के खिलाफ जागरूकत करती एनसीबी टीम। फोटो : हरिभूमि

मकान मालिक किरायेदार की वेरिफिकेशन जरूर कराएं

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

जिलाधीश एवं डीसी अभिषेक मीणा ने कहा कि जिले में कोई भी मकान मालिक किसी व्यक्ति को किराए पर अपना मकान किराए पर देता है तो किराएदार की सही पहचान के लिए उसका सत्यापन अवश्य कराए। डीसी मीणा ने नागरिकों की सुरक्षा के लिए जिले में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 लागू की है। डीसी ने कहा कि औद्योगिक क्षेत्र होने के कारण इन दिनों जिले में प्रवासी नागरिकों की तादाद बढ़ती जा रही है, जिनमें से कुछ लोग आपराधिक किस्म के हो सकते हैं। ऐसे मामले देखने में आए हैं कि ये अपराधी जुर्म की वारदात को अंजाम देकर फरार हो जाते हैं और वेरिफिकेशन न होने की वजह से उनका पता नहीं लगता है। पुलिस को प्रवासी अपराधियों की तलाश करने में काफी दिक्कतें आती हैं। आमतौर पर किराया लेने के चक्कर में मकान मालिक किराएदार की सही पहचान को लेकर किसी प्रकार का वेरिफिकेशन नहीं कराते, जोकि उचित नहीं है। किसी प्रकार की आपराधिक घटना होती है तो उसमें मकान मालिक को भी कानूनी कार्रवाई का सामना करना पड़ सकता है। कोई भी मकान मालिक किसी अनजान व बाहर से आए आदमी को कमरा, मकान या दुकान किराए पर देता है तो पहले थाने में जाकर पहचान का सत्यापन अवश्य करा लें।

न्यायालय उप मण्डल अधिकारी (ना०) साधिकार कलैक्टर, रेवाड़ी।
अदालती सूचना
आ०ता० 26.05.2025

लाला उर्फ लाल चन्द वगैरा बनाम तुलसीराम वगैरा

1. लाला उर्फ लालचन्द पुत्र कन्हैया पुत्र गणेशी निवासी ग्राम जैनाबाद तहसील व जिला रेवाड़ी, 2. लीलाराम उर्फ लीलू (मृतक) पुत्र लाला उर्फ लालचन्द बजरिये कानूनी वारिसान:- ए. जसपाल बी. विकास पुत्रान सी. श्रीमती कुसुमलता पुत्री डी. श्रीमती गीता देवी विधवा लीलाराम उर्फ लीलू पुत्र लालचन्द उर्फ लाला, 3. राजीव (मृतक) पुत्र लाला उर्फ लालबन्द बजरिये कानूनी वारिसान:- ए. धीरज नाबालिग पुत्र बी. अन्जू पुत्री सी. राजेश देवी विधवा स्वर्गीय श्री राजीव पुत्र लालचन्द उर्फ लाला, नाबालिग बजरिये वली सरपरस्त राजेश देवी माता खुद राजेश देवी मजकूर सभी निवासीगण गाव जैनाबाद उपतहसील ठहीना जिला रेवाड़ी।
.....वादीगण।

बनाम

1. तुलसीराम 2. हरनारायण 3. विक्रम सिंह, 4. मंगतू राम पुत्रान रामपत पुत्र बुधा 5. नेकीराम मृतक पुत्र रोहताश बजरिये कानूनी वारिसान ए. सुधीर कुमार पुत्र स्वर्गीय श्री नेकीराम पुत्र रोहताश 6. कृष्ण पुत्र सोहन पुत्र लेखराम, 7. श्रीमती धापा विधवा 8. श्रीराम, 9. भगवान सिंह 10. होशियार सिंह, 11. रामकंवार, 12. श्योताज 13. कंवर सिंह, 14 महाबीर सिंह पुत्रान मान सिंह पुत्र लेखराम 15. अनिल कुमार, 16. अमित कुमार पुत्रान शेर सिंह पुत्र सोहन 17. श्रीमती संतोष विधवा शेर सिंह पुत्र सोहन, 18. अमरपाल 19. राजपाल 20 अमरजीत पुत्रान महाबीर पुत्र गिन्दौडी, 21. सुमेश पुत्री 22. सरस्वती विधवा महाबीर पुत्र गिन्दौडी 23 मेवा विधवा रविदत पुत्र बुधा, 24. सावित्री पुत्री बलबीर सिंह 25. गिन्दौडी पुत्री बलबीर सिंह 26. महेन्द्र सिंह, 27. जोगेन्द्र पुत्रान रोहताश पुत्र मंगल सभी निवासीगण ग्राम जैनाबाद उप तहसील ठहीना जिला रेवाड़ी।
.....उत्तरवादीगण।

मालिकाना अधिकार प्रदान करने बारें।

नोटिस बनाम उत्तरवादी।

उपरोक्त केस में खेवट नं. 449, खतौनी नम्बर 462, मुस्तील नम्बर 119. किला नम्बर 9(4-4) कुल किता 1 तादादी 4 कनाल 4 मरला वाका मौजा जैनाबाद तहसील व जिला रेवाड़ी में प्रार्थीगण ने अपने-अपने हिस्सानुसार दोहलीदार के मालिकान हक प्रदान करने के लिए इस न्यायालय में आवेदन किया है। यदि उपरोक्त जमीन के भू-स्वामियों की प्रार्थीगण / दोहलीदारान की मालिकान अधिकार प्रदान करने में किसी की कोई एतराज/आपत्ति हो तो दिनांक 26.05.2025 को प्रात: 10:00 बजे अपने एतराज/आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। तारीख पेशी के पश्चात कोई एतराज/आपत्ति प्राप्त नहीं किये जाएंगें। यह आदेश आज दिनांक 25.04.2025 को मेरे हस्ताक्षर व अदालत की मोहर से जारी हुए हैं।

उप मण्डल अधिकारी (ना०) साधिकरण
स्थान:- रेवाड़ी — कलैक्टर, रेवाड़ी

खबर संक्षेप

रेजांगला पार्क से बाइक उड़ा ले गए चोर

रेवाड़ी। राजेश पायलट चौक के पास चोर रेजांगला पार्क के बाहर खड़ी बाइक चोरी कर ले गए। पुलिस को दर्ज शिकायत में सूमाखेड़ा निवासी जसंवत ने बताया कि वह किसी काम से बाइक लेकर रेवाड़ी आया था। बाइक पार्क के बाहर खड़ी करने के बाद वह अंदर चला गया। कुछ देर बाद वह बाहर आया तो उसे बाइक नहीं मिली। काफी तलाश करने के बाद भी बाइक का कोई पता नहीं चल सका। मॉडल टाउन थाना पुलिस ने केस दर्ज करने के बाद बाइक की तलाश शुरू कर दी।

मारपीट मामले में एक आरोपी गिरफ्तार

नांगलमूंदी। भठेड़ा में गत 26 जनवरी को मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के मामले में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने अस्पताल में उपचाराधीन पीड़ित के बयान पर विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया था। पुलिस ने मामले की जांच के बाद एक आरोपी भठेड़ा निवासी संजीव को काबू किया है। तफ्तीश में शामिल करने के बाद पुलिस बेल पर रिहा कर दिया गया। अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है।

न्याय जागरूकता पहल के तहत जागृति इकाई का गठन

कोसली। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण की न्याय जागरूकता पहल योजना के तहत कोसली उपमंडल में विशेष जागृति इकाई का गठन किया गया है। कोसली के एसीजे एवं उपमंडल विधिक सेवा समिति के चेयरमैन अशोक कुमार की ओर गठित की गई ईकाई में कश्मीर सिंह एसएचओ पीएस कोसली, जितेन्द्र कुमार तहसीलदार कोसली, अनिल यादव बीडीपीओ नाहड़, विकास कौशिक प्रबंधक एचडीएफसी बैंक कोसली, राजपाल यादव सब पोस्टमास्टर कोसली, महेंद्र सिंह मीणा अधीक्षक रेलवे स्टेशन कोसली, संदीप बस स्टैंड इंचार्ज आदि मौजूद रहे।

कोसली में शनि जयंती पर जागरण 26 को

कोसली। कोसली गांव में शनि जयंती के उपलक्ष्य में 26 मई को जागरण व 27 मई को भंडारे का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम में बाबा मुक्तेश्वरपुरी मठ के महंत शिवपुरी महाराज व बलखंडी आश्रम के संतुनाथ महाराज मौजूद रहेंगे। जागरण में भजन गायक सन्नी बल्हारा, ममता रोहिल्ला, आरके राहुल, अंकित कालका, मोहित भारद्वाज व साहिल ग्रुप की ओर से भजनों से शनिदेव की महिमा का गुणगान किया जाएगा।

केबल चोरी के आरोप में एक व्यक्ति गिरफ्तार

कोसली। लूखी गांव से दो ट्यूबवेल की केबल चोरी करने के आरोप में पुलिस ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। उसे कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया। पुलिस शिकायत में ईश्वर सिंह ने बताया था कि पंचायती ट्यूबवेल पर पानी की सप्लाई का कार्य करता है। वह ट्यूबवेल पर गया तो उसे मोटर की केबल गायब मिली। गांव निवासी सत्यवीर ने बताया कि चोर उसके ट्यूबवेल से भी पंप सेट की केबल चोरी कर ले गए हैं।

इस वर्ष एचबीएसई से 6212 व सीबीएसई से 7950 विद्यार्थियों ने उत्तीर्ण की बारहवीं की परीक्षा

कॉलेजों में स्नातक के एडमिशन के लिए आवेदन 9 जून तक, 19 जून को आउट होगी पहली मेरिट लिस्ट

विद्यार्थियों को ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कराने के लिए 22 दिन का समय मिला है।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

हायर एजुकेशन डिपार्टमेंट की ओर से कॉलेजों में यूजी कक्षाओं में दाखिले का शेड्यूल जारी करने के बाद रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया चल रही है। दाखिले के लिए रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया 9 जून तक चलेगी। इस बार विद्यार्थियों को ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कराने के लिए 22 दिन का समय मिला है। जिले में स्नातक की लगभग 10 हजार सीटों पर दाखिले होंगे। जिले में स्थित 11 राजकीय, 4 सरकारी अनुदान प्राप्त व तीन सेल्फ फाइनेंस डिग्री कॉलेजों में विभिन्न कोर्सों की 10 हजार से ज्यादा सीटों पर दाखिले किए जाएंगे। कॉलेजों में विद्यार्थियों की सहायता के लिए हेल्प डेस्क भी लगाई है। दाखिले की प्रक्रिया 19 मई से शुरू हो चुकी है अब कॉलेजों को डॉक्युमेंट्स वेरिफिकेशन ऑप्शन भी दे दिया गया है। शेड्यूल के अनुसार पहली मेरिट लिस्ट 19 जून को जारी होगी तथा 20 से 23 जून तक प्रथम चरण की काउंसलिंग की जाएगी, जिसमें पहली मेरिट लिस्ट में आने वाले विद्यार्थी वाले फीस जमा करा सकेंगे। इस वर्ष हरियाणा बोर्ड के 12वीं के परिणाम में जिले के 6212 विद्यार्थी व सीबीएसई के परिणाम में 7950 के करीब विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए हैं।

रेवाड़ी। आरडीएस गर्ल्स कॉलेज में दाखिले के लिए लगी हेल्प डेस्क। फोटो : हरिभूमि

स्नातक में दाखिले का शेड्यूल

विद्यार्थी 9 जून तक एडमिशन पोर्टल पर ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कर सकेंगे। 19 मई से 10 जून तक अप्लीकेशन फार्म को एडिट किया जा सकता है। 21 मई से 15 जून तक कॉलेज में ऑनलाइन डॉक्युमेंट वेरिफिकेशन प्रक्रिया चलेगी। 18 जून को पहली प्रोविजनल मेरिट लिस्ट और 19 जून को फाइनल मेरिट लिस्ट जारी होगी। 20 जून से 23 जून तक पहली मेरिट लिस्ट में नाम आने वाले विद्यार्थी फीस जमा करा सकेंगे। 25 जून को दूसरी प्रोविजनल मेरिट लिस्ट और 26 जून को दूसरी फाइनल मेरिट लिस्ट जारी होगी। 27 जून से 29 जून तक दूसरे राउंड की फीस जमा की जाएगी। 1 जुलाई को पहली और दूसरी लिस्ट में वंचित छात्र फिजिकल काउंसलिंग में भाग लेकर दाखिला ले सकेंगे। 2 जुलाई को रजिस्ट्रेशन करने के लिए पोर्टल फिर से ओपन किया जाएगा।

कॉलेजों में यूजी कोर्स के लिए सीटों की स्थिति

राजकीय महिला कॉलेज सेक्टर-18
बीए 560, बीकॉम 240, बीसीए 60, बीएससी मेडिकल 160 व बीएससी नॉन मेडिकल 240 व एमकॉम 40

किशनलाल पब्लिक कॉलेज
बीए 640, बीए जर्नलिज्म 40, बीबीए 80, बीकॉम 240, बीकॉम आनर्स 60, बीसीए 120, बीएससी बायोटेक 40, बीएससी मेडिकल 160, बीएससी नॉन मेडिकल 320 व बीएससी नॉन मेडिकल सेल्फ फाइनेंस 60

अहीर कॉलेज रेवाड़ी
बीए 640, बीबीए 120, बीकॉम 160, बीसीए 120, बीएससी मेडिकल 80 व बीएससी नॉन मेडिकल 320 व एमकॉम 46

आरडीएस गर्ल्स कॉलेज
बीए 160, बीकॉम 80, बीएससी 80, एमए हिस्ट्री 40, एमए हिंदी 40, एमए पॉलिटिकल साइंस 40 व एमकॉम 40

राजकीय कॉलेज खरखड़ा
बीए 320, बीकॉम 160 व बीएससी नॉन मेडिकल 80

श्रीकृष्ण राजकीय कॉलेज कंवाली
बीए 420, बीकॉम 80, बीसीए 60 व बीएससी नॉन मेडिकल 160

राजकीय कॉलेज बावल
बीए 480, बीकॉम 60 व बीएससी नॉन मेडिकल 80

राजकीय महिला कॉलेज बावल
बीए 160, बीकॉम 80 व बीएससी नॉन मेडिकल 20

राजकीय महिला कॉलेज पाली
बीए 160, बीकॉम 80 व बीएससी नॉन मेडिकल 40

राजकीय महिला कॉलेज गुरावड़ा
बीए 280, बीकॉम 80, बीएससी नॉन मेडिकल 80 व बीएससी नॉन मेडिकल (कंप्यूटर साइंस) 40

राजकीय कॉलेज कोसली
बीए 240, बीकॉम 80, बीएससी लाइफ साइंस 80 व बीएससी फिजिकल साइंस में 160

राजकीय कॉलेज जाटूसाना
बीए 160 व बीकॉम 80

डीएवी महिला कॉलेज कोसली
बीए 320, बीकॉम 80

राजकीय कॉलेज नाहड़
बीए 420, बीकॉम 60 व बीएससी नॉन मेडिकल 80

रजिस्ट्रेशन के लिए इन कागजातों की जरूरत

पासपोर्ट साइज फोटो की प्रति, विद्यार्थी के हस्ताक्षर की स्कैन की गई प्रति, 10वीं व 12वीं की मार्कशीट, माइग्रेशन सर्टिफिकेट, चरित्र प्रमाण पत्र, एनसीसी, एनएसएस, खेल प्रमाण पत्र, हरियाणा प्रमाणिक निवास प्रमाण पत्र, ईडब्ल्यूएस या एससी, बीसी छात्रवृत्ति के लाभ का दावा करने के लिए आय प्रमाण पत्र, आरक्षित प्रमाण पत्र व गैप ईयर होने पर एफिडेविट की जरूरत होगी।

आवेदन करते समय सावधानी बरतें विद्यार्थी

कॉलेज में दाखिले की प्रक्रिया जारी है। डॉक्युमेंट्स वेरिफिकेशन के बाद किसी विद्यार्थी के कागजात कम मिले तो ऑब्जेक्शन लगने पर विद्यार्थी के पास मैसेज पहुंचेगा। इसके बाद विद्यार्थी वन टाइम ओटीपी बेस्ड पोर्टल को खोलकर उसे दुरुस्त कर फिर से अपलोड कर सकते हैं। विद्यार्थी आवेदन करते समय सावधानी बरतें व अपने कागजात पूरे रखें। एडमिशन के लिए कॉलेजों में आने वाले विद्यार्थियों की मदद के लिए हेल्प डेस्क पर स्टाफ की ड्यूटी लगाई गई है। **डा. दलबीर सिंह यादव,** प्राचार्य आरडीएस गर्ल्स कॉलेज।

कोसली विस के गांवों को 37 लाख के खेल उपकरण मिले

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

शुक्रवार को राव तुलाराम स्टेडियम परिसर में कोसली के विधायक अनिल यादव ने हरियाणा खेल उपकरण प्रावधान योजना के द्वितीय चरण में कोसली विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न गांवों के लिए लगभग 37 लाख रुपये की कीमत के खेल उपकरण वितरित किए। प्रथम चरण में कोसली विस क्षेत्र के गांवों के लिए 52 लाख के खेल उपकरण पहले दिए जा चुके है। इस अवसर पर विधायक अनिल यादव ने कहा कि हरियाणा सरकार की ओर से ग्रामीण क्षेत्र में समान विकास की विचारधारा से विकास कार्य कराए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी तथा केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह के प्रयासों से कोसली विधानसभा के गांवों को अधिक से अधिक सुविधायुक्त बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों की प्रतिभा को निखारने के लिए सरकार बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर उपलब्ध करा रही है। विधायक ने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में हरियाणा के खिलाड़ी आज दुनिया में अपनी विशिष्ट पहचान बना रहे हैं। गांव-गांव में खेल नर्सरियां विकसित की गई हैं और हर खेल में खिलाड़ियों को तराशने के लिए प्रशिक्षक नियुक्त किए गए हैं। उन्होंने कहा कि गांव कंवाली में जल्दी ही हॉकी का एस्टो ट्रफ बिछाया जाएगा। विधायक ने कोसली विधानसभा क्षेत्र के गांवों के लिए सरपंचों को वालीबॉल, बॉक्सिंग, हैंडबॉल, कुश्ती जुड्डो, क्रिकेट एवं फुटबॉल खेल का सामान वितरित किया। इस अवसर पर एसडीएम सुरेंद्र सिंह, कोसली के एसडीएम विजय कुमार यादव, खेल विभाग के उप निदेशक गौरव सोलंकी, जिला खेल अधिकारी ममता देवी, कोच चरण सिंह, भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश महासचिव बलजीत सिंह, जिला पार्षद जीवन हितैषी व नाहड़ के बीडीपीओ अनिल कुमार सहित कोसली हलके के गांवों के सरपंच एवं पंचायत प्रतिनिधि मौजूद थे।

रेवाड़ी। पंचायतों को खेल उपकरण वितरित करते कोसली विधायक अनिल यादव।

डा. राजेन्द्र ने संभाला नाहड़ बीईओ का कार्यभार शिक्षक संगठनों ने किया अभिनंदन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

नव पदोन्नत खंड शिक्षा अधिकारी नाहड़ डा. राजेन्द्र यादव ने शुक्रवार को कार्यग्रहण कर लिया। इस अवसर पर विभिन्न सामाजिक व शिक्षक संगठनों ने बीईओ डा. यादव को शुभकामनाएं दी। हरियाणा स्कूल लेक्चरर एसोसिएशन के पूर्व जिला प्रधान रविन्द्र भाकली ने उनका अभिनन्दन किया। हसला के खंड नाहड़ के प्रधान प्रमोद नाहड़, यशपाल यादव व जगदेव यादव ने भी बीईओ को पुष्पगुच्छ भेंट किया। ग्रामीणों ने खुशी जताते हुए बताया कि डा. राजेन्द्र यादव गांव नाहड़ के पहले व्यक्ति है, जो खंड शिक्षा अधिकारी के पद पर पहुंचे हैं। इस मौके पर बीईओ डा. राजेन्द्र यादव ने सभी का आभार जताया। उन्होंने कहा कि खंड नाहड़ के विद्यालय जिले के शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक क्षेत्र में विशेष स्थान रखते हैं। इस मौके पर प्राचार्य राजेंद्र कुमार, प्राचार्य विनोद कुमार, प्राचार्य जितेंद्र यादव, शिक्षक ललित कुमार, सतेन्द्र कुमार, श्रीभगवान बव्वा, संजय शर्मा, गजराज यादव, चन्द्रशेखर लेखा सहायक बीआरसी कार्यालय, संजय कुमार, दिनेश सुरेहली, विनोद यादव, हरिओम शर्मा, नरेन्द्र, मनीष यादव, धर्मेन्द्र, प्रेम कुमार व बाबू सोमेश मौजूद थे।

रेवाड़ी। बीईओ डा. राजेन्द्र यादव का सम्मान करते शिक्षक। फोटो : हरिभूमि

पुलिस ने दो नशा सप्लायर किए काबू 2.10 किलोग्राम गांजा भी बरामद

रेवाड़ी। एसपी हेमेंरद मीणा ने जिला पुलिस को नशा तस्करों पर कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए हुए हैं। गत 22 मई को बावल थाना टीम ने अभियान के तहत गांव गुर्जर माजरी के शिव मंदिर के पास गाड़ी में नशीला पदार्थ गांजा बेच रहे सचिन निवासी गांव गुर्जर माजरी को 2 किलो 300 ग्राम गांजा सहित धर दबोचा था। मामले में जांच अधिकारी पीएसआई कर्ण सिंह ने नशा तस्करी के स्रोत का पता लगाते हुए सप्लाई करने वाले राजस्थान के जिला अलवर के गांव मेडंटा निवासी लोकेश कुमार उर्फ मास्टर को 2 किलो 10 ग्राम गांजा सहित गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। इसके अलावा गोकल गेट चौकी पुलिस ने गत 1 जनवरी को टीपी स्कीम कॉलोनी के पास गांजा बेच रहे तस्कर देवेन्द्र कुमार निवासी मोहल्ला संघी का बास को 470 ग्राम गांजा सहित पकड़ा था जिसमें जांच अधिकारी एएसआई सुनील कुमार ने नशा सप्लाई करने वाले राजस्थान के जिला अलवर के गांव घटाल निवासी तस्कर कक्का सिंह को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। थाना शहर पुलिस को नशा तस्करी के दो अलग-अलग मामलों में भी आरोपी कक्का सिंह की तलाश थी। एसनी हेमेंद्र कुमार मीणा ने कहा कि नशे के खिलाफ चलाए जा रहे जन आंदोलन में प्रत्येक व्यक्ति की सक्रिय भागीदारी अति आवश्यक है। उन्होंने कहा कि नशा न केवल स्वास्थ्य को प्रभावित करता है, बल्कि यह अपराध को भी जन्म देता है। उन्होंने कहा कि जब समाज का प्रत्येक व्यक्ति अपने गांव, गली तथा मोहल्ले की संपूर्ण जिम्मेदारी लेगा कि न तो वह खुद नशा करेगा और न ही अपने आस-पास नशा बिकने देगा, तो निश्चित रूप से समाज नशा मुक्त होगा। उन्होंने कहा कि आमजन नशा बेचने व खरीदने वाले लोगों को चिंन्हित कर पुलिस प्रशासन को सूचना दें, जिससे अपराधियों को जेल की सलाखों के पीछे भेजा जा सकें।

डालसा सचिव ने वृद्ध आश्रम का किया निरीक्षण, सुविधाओं की ली जानकारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी व सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अमित वर्मा ने शुक्रवार को वृद्ध आश्रम का औचक निरीक्षण किया और वहां की सुविधाओं बारे जानकारी ली। वर्तमान में वृद्ध आश्रम में 13 वृद्ध मौजूद है, जिनमें 3 महिलाएं तथा 10 पुरुष शामिल है। डालसा सचिव अमित वर्मा ने वृद्ध जनों को मिलने वाले भोजन व अन्य जरूरी सुविधाओं की जांच की तथा उनको और बेहतर से बेहतर सुविधाएं देने के निर्देश दिए। उन्होंने वृद्धाश्रम में साफ सफाई पर ध्यान देने व बुजुर्गो की रेगुलर जांच कराने के लिए निर्देश दिए। इस मौके पर सीजेएम वर्मा ने कहा कि वृद्ध व्यक्ति शारीरिक और मानसिक रूप से तो कमजोर होता ही है तथा उसकी सबसे बड़ी पीड़ा उसका अकेलापन होता है। इसलिए वृद्धजनों को समाज से अलग थलग न करें, बल्कि उनको समाज का हिस्सा माने तथा उनको अहसास दिलाएं कि हम सब उनके साथ है, वे अकेले नहीं हैं। उन्होंने सभी स्टाफ मेंबर को दिशा निर्देश दिए ताकि वे बुजुर्गों का अच्छे से ख्याल रखें।

रेवाड़ी। वृद्धाश्रम में बुजुर्गो से मिलते सीजेएम अमित वर्मा। फोटो : हरिभूमि

रेवाड़ी। सैनिक स्कूल में चयनित विद्यार्थी शिक्षकों के साथ। फोटो : हरिभूमि

न्यू ईरा स्कूल के 34 विद्यार्थी सैनिक स्कूल में चयनित

कुंड। कुंड स्थित न्यू ईरा स्कूल ने सैनिक स्कूल के परीक्षा परिणाम में बाजी मारी है। परीक्षा में पांचवीं और आठवी के छात्रों ने भाग लिया था, जिसमें स्कूल से पांचवीं के 35 तथा आठवीं के 11 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी थी। स्कूल से पांचवीं के 25 तथा आठवी के 9 छात्रों सहित 34 विद्यार्थियों ने सैनिक स्कूल की परीक्षा पास की है। स्कूल संचालक मास्टर नरेंद्र सिंह ने सभी छात्रों व अध्यापकों को बधाई दी। कक्षा छठी के लिए तनिष्क ने 300 में से 244 अंक, लक्ष्य ने 233 अंक, विश्वास ने 208 अंक, जीनियस यादव ने 207 अंक तथा कक्षा 9वी में शिवेन ने 400 में से 324 अंक, दिव्यांशु ने 304 अंक, भविष्य ने 294 अंक व महक ने 286 अंक प्राप्त किए। शुक्रवार को चयनित छात्रों को सम्मानित किया गया। इस मौके पर शिक्षक अनु, निशा, पूनम, गौरव, देवेंद्र कुमार, मनीता यादव, विजय कुमार, विकास यादव, पूजा यादव, मनोज कुमार व प्रिया यादव मौजूद थे।

गांव के पूर्व सरपंच विक्रम पांडे ने अतिथियों का स्वागत किया

सीहा स्कूल के प्रतिभा प्रोत्साहन समारोह में पांच दर्जन विद्यार्थियों को किया सम्मानित

कार्यक्रम में डहीना ब्लॉक समिति के अध्यक्ष कर्णपाल खोला विशिष्ट अतिथि थे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सीहा में शुक्रवार को कोसली के विधायक अनिल यादव के मुख्य आतिथ्य में ग्राम पंचायत तथा युवा चेतना संगठन सीहा की ओर से प्रतिभा प्रोत्साहन एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें पांच दर्जन से अधिक विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम में डहीना ब्लॉक समिति के अध्यक्ष कर्णपाल खोला विशिष्ट अतिथि थे। गांव के पूर्व सरपंच विक्रम पांडे ने अतिथियों का स्वागत किया। विद्यालय के प्राचार्य एवं साहित्यकार सत्यवीर नाहड़िया की अध्यक्षता में आयोजित समारोह में विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाले दो दर्जन से ज्यादा प्रतिनिधियों को भी अलंकृत किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि विधायक अनिल यादव ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में प्रतिभाओं की कमी नहीं है, उन्हें उचित मार्गदर्शन एवं मंच प्रदान करने के लिए शिक्षकों तथा सामाजिक संस्थाओं को आगे आना होगा। उन्होंने विद्यालय की विभिन्न विकास परियोजनाओं का लोकार्पण भी किया। विशिष्ट अतिथि खोला ने सीहा स्कूल की जिला एवं राज्य स्तर पर उपलब्धियों को प्रेरक बताया। प्राचार्य नाहड़िया ने अतिथियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं तथा अभिभावकों का आभार व्यक्त किया। पूर्व सरपंच विक्रम पांडे ने शाब्दिक अभिनंदन तथा सरपंच सरिता यादव ने विधायक को गांव का मांगपत्र सौंपा। पूर्व जिला पार्षद सुमन यादव, ब्लॉक समिति सदस्य संदीप चौहान, पूर्व सरपंच राजेंद्र सिंह, पूर्व सरपंच राजेश कुमार, मामचंद पंच व रगबीर पंच ने अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट किए तथा वेद प्रधान ने सभी का आभार ज्ञापित किया। इस अवसर पर सीहा, लुहाना, धवाना, मसीत तथा बुड़ौली के सामाजिक कार्यकर्ता सुखपाल चौहान, सुमेर सिंह, धनराज धनखड़,रामनिवास अनंतपाल तंवर, कृष्ण चौहान व नाहर सिंह उपस्थित थे।

रेवाड़ी। समारोह में प्रतिभाओं को सम्मानित करते विधायक अनिल यादव व अन्य

मनोहारी सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश किए

विद्यार्थियों ने स्टाफ सचिव यशपाल आर्य के संयोजन, हिंदी अध्यापक शक्ति सिंह के संचालन तथा कला अध्यापिका लक्ष्मी यादव के निर्देशन में मनोहारी सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश किए। इस अवसर पर पूर्व सरपंच विक्रम पांडेय, सरपंच सरिता यादव, दीपक यादव, नरेश भारद्वाज, प्रदीप यादव, नरेश यादव, विकास यादव, कोच होशियार सिंह, कोच संदीप, कवि सैनिक शत्रुघ्न, जितेंद्र कुमार ज्ञानेश शर्मा, महेंद्र सिंह, बाबूलाल सरपंच मामचंद सरपंच, अशोक सरपंच, संजय कुमार, दिनेश भारद्वाज, अमित कुमार, शालिनी, रिया भारद्वाज, सोनू यादव, पवन कुमार, पूजा तथा हनुमान सिंह को योगदान देने के लिए सम्मानित किया गया।

रील का सूट खरीदने के नाम पर बनाया ठगी का शिकार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

- साइबर थाना पुलिस ने केस दर्ज करने के बाद जांच शुरू कर दी

साइबर ठगों ने एक महिला को रील पर देखा गया सूट खरीदने के नाम पर हजारों रुपये की ठगी का शिकार बना दिया। साइबर थाना पुलिस ने केस दर्ज करने के बाद जांच शुरू कर दी। पुलिस शिकायत में सुनीता यादव ने बताया कि उसने 12 मई को सोशल मीडिया पर एक रील देखी थी। उसका एक सूट उसे पसंद आ गया। सोशल मीडिया से मिले नंबरों पर संपर्क करते हुए उसने सूट खरीदने की इच्छा जाहिर की। उसे पेमेंट करने के लिए यूपीआई नंबर दिया गया, जिस पर उसने 1246 रुपये ट्रांसफर कर दिए। उसे फोन पर बताया गया कि उसे दो बार में पेमेंट करनी है। उसने दो बार में 2446 रुपये ट्रांसफर कर दिए। इसके बाद उसने अपने पैसे वापस मांगे तो उसके पास एक लोगो भेजा गया, जिससे उसे लगा कि उसके पैसे वापस आ गए हैं। उसे एक बार फिर से पेमेंट करने को कहा गया। बाद में उसके पास लिंक भेजा गया, जिस पर क्लिक करने के बाद उसके खाते से पैसे कट गए। उसे 60732 रुपये की ठगी का शिकार बना दिया गया। साइबर थाना पुलिस ने उसकी शिकायत पर केस दर्ज करने के बाद उस खाते का पता लगाने के प्रयास शुरू कर दिए, जिसमें उसकी रकम ट्रांसफर हुई है।